प्रथम कालांत योगात्मक आकलन 2025 - 26

FIRST TERM SUMMATIVE ASSESSMENT 2025 - 26

तीसरी भाषा (THIRD LANGUAGE)

STD. X **(हिंदी) HINDI** **Answer Key**

SREEJITH P. SREE'S DIAS FOR HINDI, KOVOOR, VARKALA

1. दिल्ली से होशियारपुर तक कितने घंटे की दूरी है ?

(ख) आठ घंटे की

2. पत्नी और बच्चे क्यों नाराज़ हो गए ?

पति जनरल कोच में शादी के लिए होशियारपुर जाना चाहता था। लेकिन यह पत्नी और बच्चे को पसंद नहीं था। इसलिए वे नाराज़ हो गए।

3. ट्रेन यात्रा के अनुभवों का ज़िक्र करते हुए पुरुष पात्र की **डायरी** लिखें।

तारीख : ……………………..

आज का दिन मैं कभी नहीं भूल नहीं सकता। आज मैं बीवी-बच्चों के साथ शादी के लिए होशियारपुर गया। यात्रा जनरल कोच में थी। बीच में शॉल बेचने वाली एक युवती आ गई। वह जम्मू की शॉल अढाई सौ में बेचती थी। मेरी पत्नी तोल-मोल करके डेढ़ सौ में खरीद ली। कम दाम मिलने से युवती की आँखें भर आईं। फिर भी मेरी पत्नी कह रही थी थोड़ा तोल-मोल और करें तो कम दाम में मिल जाती। उसकी आँखों की नमी देखकर मुझे अपने पिता की याद आई। वे भी ऐसे ही ट्रेन में सामान बेचते थे। थककर जब वे घर आते थे तो उनकी आँखों में भी वैसी ही नमी होती थी। मुझे उनका संघर्ष याद आ गया। यह अनुभव मेरे दिल को छू पाया। उस लड़की की मेहनत और त्याग देखकर मैं भावुक हो गया। लोग ऐसे गरीब और असहायों पर अत्याचार क्यों करते हैं ? दूसरों की विवशता और परेशानियों पर अकसर लोग सोचते नहीं है। सबको अपना मुनाफ़ा ही चाहिए। हे भगवान उस युवती की रक्षा करे !

अथवा

ट्रेन यात्रा के अनुभव बताते हुए मित्र के नाम पुरुष पात्र का **पत्र** तैयार करें।

स्थान : ………………

तारीख : ………………

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? आशा है तुम सानंद हो ? मैं यहाँ सकुशल हूँ। एक खास बात बताने के लिए मैं यह पत्र लिखता हूँ।

पिछले हफ्ते मैं बीवी-बच्चों के साथ शादी के लिए होशियारपुर गया था। यात्रा जनरल कोच में थी। बीच में शॉल बेचने वाली एक युवती आ गई। वह जम्मू की शॉल अढाई सौ में बेचती थी। मेरी पत्नी तोल-मोल करके डेढ़ सौ में खरीद ली। कम दाम मिलने से युवती की आँखें भर आईं। फिर भी मेरी पत्नी कह रही थी थोड़ा तोल-मोल और करें तो कम दाम में मिल जाती। उसकी आँखों की नमी देखकर मुझे अपने पिता की याद आई। तुम्हें पता है मेरे पिताजी रेलगाडी में सामान बेचते थे। लोग ऐसे गरीब और असहायों पर अत्याचार क्यों करते हैं ? मुझे बड़ा दुख हुआ था।

वहाँ तुम्हारी क्या खबर हैं ? घरवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब की प्रतीक्षा में,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम,
पता।

4. ‘ दीवारों में छेद कर आर-पार देखना ’ से आप क्या समझते हैं ?

समाज में बड़ों ने बच्चों को विभाजित करके उनमें भिन्नता का भाव पैदा किया है । लेकिन बच्चे उनमें छेद बनाकर बाहर आकर सबसे मिलने की कोशिश करेंगे ।

5. कवि का परिचय देते हुए **कवितांश का आशय** लिखें ।

कवितांश का आशय

प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी के प्रमुख समकालीन कवि अदनान कफ़ील दरवेश की छोटी कविता मेरी दुनिया के तमाम बच्चे से हैं । इस कविता में नई सोच, बदलाव और रूढ़ियों व हिंसा के विरोध करनेवाले बच्चों के बारे में कहता है ।

कवि कहते हैं कि बच्चे एक दिन बडों द्वारा बनाई दीवारों में छेद कर देंगे और आर पार देखने की कोशिश करेंगे । समाज में बड़ों ने बच्चों को विभाजित करके उनमें भिन्नता का भाव पैदा किया है । लेकिन बच्चे उनमें छेद बनाकर बाहर आकर सबसे मिलने की कोशिश करेंगे । तब उन्हें मालूम होता है कि पड़ोस में भी हमारे यहाँ का मौसम है । दीवारें यहाँ उन सभी बाँटने वाली सीमाओं, भेदभावों और बंद मानसिकताओं का प्रतीक है । बच्चे इन कृत्रिम दीवारों को स्वीकार नहीं करते । वे उन्हें तोड़कर एक नया समावेशी और सुंदर संसार बनाना चाहते हैं ।

कविता बिलकुल प्रासंगिक है । प्रतीकों और छवियों का प्रयोग सुंदर हुआ है । सरल भाषा में लिखी यह कविता सबके मन को छूनेवाली है ।

6. पहचानकर लिखें कि कौन-सा क्रम सही है ?

(घ)

च - ध

छ - द

ज - त

7. यात्रावृत्त के इस अंश के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें ।

सीन - 1

स्थान - मंदिर का बरामदा ।

समय - रात 9 बजे ।

पात्र - 1. लेखक करीब 70 साल का, पैंट और कुर्ता पहना है ।
2. छोटू करीब 30 साल का, पैंट और कुर्ता पहना है ।
3. पागल आदमी करीब 50 साल का, धोती और कुर्ता पहना है ।

दृश्य का विवरण - लेखक और छोटू सोते समय पागल आदमी आकर उन्हें धमका रहा है ।

संवाद -

पागल आदमी - कौन हो तुम लोग ? यहाँ कैसे घुस आये हो ?

लेखक - मंदिर की देखरेख करने वाले आदमी ने हमें यहाँ ठहराया है ।

पागल आदमी - वह पिट्ठू में क्या है ? मुझे इसकी तलाशी लेनी होगी ।

छोटू - इसमें हमारे सामान हैं ।

पागल आदमी - बॉट इज युअर नेम ?

छोटू - (सहमते हुए) मुझे अंग्रेज़ी नहीं आती ।

पागल आदमी - (लेखक से) तुम क्या करते हो ?

लेखक - मैं शिक्षक था, बच्चों को पढाता था, अब रिटायर हो गया हूँ ।

पागल आदमी - (कुछ सोचकर) अच्छा, सो जाओ ।

(पागल आदमी वहाँ से चला जाता है । लेखक और छोटू राहत की साँस लेते हैं । छोटू दरवाज़ा अंदर से बंद करके उसपर ताला लगा देता है ।)

दृश्य समाप्त

SREEJITH R, SREE'S DIAS FOR HINDI, KOVOOR, VARKALA

8. ' स्नेह ' का समानार्थी शब्द कौन-सा है ?

(घ) नेह

9. इस हाइकु का समान आशय किस-वाक्य में निहित है ?

(क) बर्फीली नगरी में प्यार की कमी महसूस होती है ।

10. इस वाक्य में ' वह ' और ' हम ' किस-किसके बदले प्रयुक्त हैं ?

* वह : पागल आदमी
* हम : लेखक और छोटू

11. कोष्ठक के शब्दों की मदद से वाक्य विस्तार करें ।

आदमी ने परेशान किया ।

पागल आदमी ने परेशान किया ।

पागल आदमी ने **बहुत** परेशान किया ।

रात को पागल आदमी ने बहुत परेशान किया ।

12. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

(ख) दादाजी केशव को माँ-बाप के पास लाए ।

13. दादाजी केशव को गाँव से शहर क्यों ले गए ?

केशव दादाजी से माता-पिता के पास शहर जाने की ज़िद करने लगा । इसलिए दादाजी केशव को गाँव से शहर ले गए ।

14. परीक्षा के बाद केशव ने दादाजी से शहर जाने का आग्रह किया । इसपर केशव और दादाजी के बीच की संभावित **बातचीत** लिखें ।

बातचीत - केशव और दादाजी के बीच

केशव - दादाजी ... दादाजी

दादाजी - बताओ बेटा, क्या बात है ?

केशव - मुझे शहर जाना है ।

दादाजी - क्यों ?

केशव - मैं अपने माँ-बाप के साथ कुछ दिन रहना चाहता हूँ ।

दादाजी - वे वहाँ काम करने गए हैं । वे काम पर जाते तो तुम्हें अकेला रहना पडेगा ।

केशव - (ज़िद करते हुए) कोई बात नहीं । मुझे उनके पास जाना है ।

दादाजी - ठीक है । मैं बेटे को फोन करके तुम आने की बात बताता हूँ ।

केशव - (खुशी से) मेरे प्यारे दादाजी ।

अथवा

केशव शहर में अपनी अम्मा के पास पहुँचा । केशव और अम्मा के बीच की संभावित **बातचीत** लिखें ।

बातचीत - केशव और अम्मा के बीच

अम्मा - बेटा, तू आ गया ? तूने यहाँ आने की ज़िद क्यों की ?

केशव - परीक्षा खत्म हुआ न ? इसलिए मैं आप दोनों के साथ समय बिताना चाहता हूँ ।

अम्मा - लेकिन हम काम पर जाते समय तू यहाँ अकेला होगा ।

केशव - कोई परवाह नहीं । काम खत्म होने पर तुम लोग आओगे न ?

अम्मा - हाँ । परीक्षा कैसी थी ?

केशव - आसान थी ।

अम्मा - अच्छा । भूख लगती होगी, आओ कुछ खा ले ।

केशव - ठीक है माँ ।

SREEJITH K, GHSS, DIAS FOR HINDI, KOVOOR, VARKALA

15. विशेषण शब्द चुनकर करें।

(ख) खूबसूरत

16. सजना अपने माँ-बाप के साथ दिल्ली से केरल देखने आई। खंड की सहायता से सजना के **यात्रावृत्त** का अंश तैयार करें।

केरल यात्रा

हाल ही में मुझे केरल घूमने का अवसर मिला, जो प्रकृति की सुंदरता और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है। मेरी यात्रा की शुरुआत तिरुवनंतपुरम से हुई, जहाँ का सुंदर समुद्र तट है कोवलम। यहाँ का लाइटहाउस और सूर्यास्त बहुत आकर्षक हैं। केरल के आलप्पुष़ा को ' पूर्व का वेनिस ' कहते हैं। हाउसबोट में घूमना यहाँ का यादगार अनुभव है। मून्नार एक खूबसूरत पहाड़ी प्रेदेश है। यहाँ चारों ओर चाय के हरे-भरे बाग हैं। कुमरकम वेम्बनाड़ झील के पास है। यहाँ एक मशहूर पक्षी अभयारण्य है। तेक्कड़ी पेरियार वन्यजीव अभयारण्य है। यहाँ हम जंगली हाथी, बाघ और दूसरे जानवरों को उनके प्राकृतिक माहौल में देख सकते हैं। यह यात्रा मेरे जीवन की अविस्मरणीय स्मृतियों में सदा बनी रहेगी।

अथवा

नमूने के अनुसार तालिका की पूर्ति करें।

* यहाँ का सूर्यास्त मनमोहक है।	कोवलम
* यह चाय के बागों से भरा पर्वतीय प्रदेश है।	मून्नार
* यहाँ का पक्षी अभयारण्य मशहूर है।	कुमरकम
* यहाँ पेरियार वन्यजीव अभयारण्य है।	तेक्कडी
* यह ' पूर्व का वेनिस ' नाम से प्रसिद्ध है।	आलप्पुष़ा

- o O o -

SREEJITH R, SREE'S DIAS FOR HINDI, KOVOOR, VARKALA